रणजीत टाइम्स
इंदौर
सोमवार, 9 फरवरी, 2026
वर्ष 02 | अंक 38 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

दोनों देशों के बीच एमओयू... सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और सुरक्षा समझौते शामिल, पीएम मोदी बोले

आतंकवाद से समझौता नहीं, भारत और मलेशिया को जोड़ती है तमिल भाषा

नि:शुल्क ई-वीजा और यूपीआई से नागरिकों को करीब लाने की कोशिश

कुवालालंपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे के दूसरे दिन उनकी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच साथ द्विपक्षीय बातचीत हुई। पीएम मोदी ने आतंकवाद पर अपना कडा रुख दिखते हुए कहा , 'आतंकवाद के बारे में हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है, कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। भारत और मलेशिया आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करेंगे।' मोदी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान तमिल भाषा की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है।

प्रधानमंत्री ने ऑडियो-विजुअल समझौते का जिक्र करते हुए कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि आज हुए ऑडियो-विजुअल समझौते के साथ फिल्में और संगीत, खासकर तमिल फिल्में, हमारे दिलों को और करीब लाएंगी।' पीएम मोदी ने मलेशियाई पीएम को अपना दोस्त बताया। उन्होंने कहा- भारत-मलेशिया की दोस्ती हमारे लोगों पर टिकी है। सामाजिक सुरक्षा समझौता, पर्यटन के लिए नि:शुल्क ई-वीजा और मलेशिया में क्कू का आगमन हमारे लोगों को और भी करीब लाएगा

और टूरिज्म को बढ़ावा देगा । मोदी ने बताया कि हम दोनों देश विश्वविद्यालय बढ़ाने और अपने युवाओं के लिए कौशल विकास के अवसर पैदा करने के लिए भी काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, मुफ्त ई-वीजा, और पर्यटन के लिए यूपीआई डिजिटल इंटरफेस जैसी व्यवस्थाएं दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगी।' उन्होंने कहा कि किसी भी साझेदारी को सफल तभी माना जाता है, जब उसका लाभ सीधे लोगों तक पहुंचे।

तमिल भाषा संस्कृति का हिस्सा

पीएम ने कहा, 'तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है। मलेशिया में तमिल भाषा की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव पर जोर दिया और तमिल भाषा और तमिल सिनेमा को लोगों के बीच भावनात्मक निकटता बढ़ाने का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता फिल्म और संगीत के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा, जिससे भारत-मलेशिया के संबंध और अधिक गहरे होंगे। सुरक्षा क्षेत्र में हम आतंकवाद-विरोधी कार्रवाई, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करेंगे। हम रक्षा सहयोग को भी अधिक व्यापक बनाएंगे।

अनवर ने जताया मोदी का आभार

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा, 'मैं इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने पूरी दुनिया में शांति प्रयासों के लिए जो प्रतिबद्धता दिखाई है, वह सराहनीय है। चाहे वह यूक्रेन-रूस संघर्ष हो या मध्य पूर्व का मामला, खासकर गाजा में।'

आपसी व्यापार 18.59 अरब डॉलर

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि भारत तेजी से तरक्की कर रहा है । उन्होंने कहा, 'भारत की यह उल्लेखनीय प्रगति देखकर अच्छा लगता है और ASEAN के संदर्भ में मलेशिया को बहुत फायदा होगा अगर हम भारत के साथ सहयोग के और ज्यादा रास्ते और अवसर तलाश सकें।' उन्होंने बताया कि 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 18.59 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, लेकिन इसे और बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक खास उपलब्धि की तारीफ की कि दोनों देश अब जितना संभव हो सके स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने का फैसला कर रहे हैं, जो एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा के क्षेत्र को उन्होंने बहुत अहम बताया। उन्होंने कहा कि बहुत से मलेशियाई छात्रों ने भारत से शिक्षा हासिल की है और अब मलेशिया में भी भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ रही है। पिछले एक दशक में, भारत के शिक्षा संस्थानों को दुनियाभर में मान्यता मिली है। कई भारतीय संस्थान अब पश्चिमी देशों के जाने-माने संस्थानों से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए मलेशिया भारत के साथ शिक्षा सहयोग को और मजबूत करना चाहता है ताकि ज्यादा से ज्यादा मलेशियाई छात्र भारत में पढ़ाई कर सकें। अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर जुड़ाव को और गहरा करेगा और भविष्य में सहयोग के नए रास्ते खोलेगा।

सरकारी कर्मचरियों के लिए अच्छी खबर

8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया शुरू, लोगों से रायशुमारी

नईदिल्ली, एजेंसी

आठवें वेतन आयोग ने अपनी वेबसाइट लॉन्च करते हुए आम लोगों से रायशुमारी शुरू कर दी है। इसमें 18 सवालों की एक प्रश्नावली रखी गई है जिनके जवाब मांगे गए हैं। यह प्रश्नावली MyGov.in पोर्टल पर उपलब्ध है। मंत्रालय, विभाग, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी, न्यायिक अधिकारी, कोर्ट के कर्मचारी, नियामक संस्थाओं के सदस्य, कर्मचारियों और पेंशनरों के संघ, शोधकर्ता, शिक्षाविद और आम लोग भी इसमें अपनी राय दे सकते हैं।

8वें वेतन आयोग ने बयान जारी कर कहा है, 8वां केंद्रीय वेतन आयोग बेहतर जानकारी के लिए विचार/राय/इनपुट मांगता है। वेतन आयोग ने यह भी बताया है कि जवाब देने वालों के नाम गुप्त रखे जाएंगे। प्रश्नावली के जवाबों का विश्लेषण किया जाएगा और उन्हें किसी व्यक्ति विशेष से न जोड़ते हुए सामूहिक रूप से सार्वजनिक किया जाएगा। आयोग ने कहा है कि प्रतिक्रियाएं जमा करने की आखिरी तारीख सोमवार 16 मार्च 2026 है। कागज-आधारित भौतिक प्रतिक्रियाएं, ईमेल या पीडीएफ प्रतिक्रियाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। प्रश्नावली में शामिल प्रमुख सवालों में विकास, महंगाई और वित्तीय विचारों के बीच 8वें वेतन आयोग को किस मार्गदर्शक सिद्धांत पर चलना चाहिए, शामिल है। इसके अलावा वेतन संशोधन में फिटमेंट फैक्टर का मतलब, वेतनमानों में इंक्रीमेंट का तरीका, उच्च-स्तरीय सरकारी वेतन का बेंचमार्क, वेतन आयोग के बकाए का भुगतान जैसे सवाल भी हैं। 8वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा जनवरी 2025 में की गई थी। लेकिन वित्त मंत्रालय ने इसे 3 नवंबर 2025 की अधिसूचना के जरिए अधिसूचित किया। आयोग को अपनी रिपोर्ट, जिसमें वेतन, पेंशन और अन्य भत्तों में संशोधन की सिफारिशें होंगी, जमा करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। इसकी सिफारिशें आम तौर पर केंद्रीय सरकारी विभागों में वेतन संरचनाओं, पेंशन भुगतान और भत्तों को प्रभावित करती हैं।

मोहन भागवत का बड़ा बयान

ब्राह्मण जरूरी नहीं, अन्य जाति का व्यक्ति भी बन सकता है संघ प्रमुख

मुंबई, एजेसी

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि संघ में किसी भी जाति का व्यक्ति सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उनके मुताबिक अनुसूचित जाति या जनजाति होना कोई बाधा नहीं है और ब्राह्मण होना कोई विशेष योग्यता नहीं है। उन्होंने माना कि संघ की शुरुआत में ब्राह्मणों की संख्या अधिक थी, लेकिन संगठन सभी जातियों के लिए काम करता है।

मुंबई में आयोजित 'मुंबई व्याख्यानमाला' के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक नेअपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आरएसएस की फंडिंग को लेकर लोगों में जिज्ञासा रहती है, लेकिन संगठन मुख्य रूप से अपने स्वयंसेवकों के सहयोग से चलता है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान कार्यकर्ता बाहर खाने के बजाय स्वयंसेवकों के घर ठहरते हैं और उनके द्वारा दिए गए भोजन से काम चलाते हैं।

'100 Years of Sangh Journey - New Horizons'

विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में संघ की कार्यप्रणाली, जाति व्यवस्था, भाषा विवाद, धर्मांतरण और अवैध प्रवासियों जैसे विषय चर्चा में रहे। मोहन भागवत ने कहा कि अंग्रेजी से हमारा बैर नहीं है। जहां अंग्रेजी के बिना काम नहीं चलता वहां हम अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते हैं। पर हमारा प्रयास रहता है कि अपनी मातृभाषा या फिर हिन्दी भाषा का ही प्रयोग करें। मुस्लिम इलाकों में काम करने की चुनौतियों का जिक्र करते हुए आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि अगर अपशब्द कहे जाते हैं तो प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, क्योंकि इससे टकराव बढ़ता है। भाषा विवाद को उन्होंने 'स्थानीय बीमारी' बताते हुए कहा कि इसे फैलने नहीं देना चाहिए।

लोगों की इच्छा से हो सकती है घर वापसी

'घर वापसी' पर संघ प्रमुख ने कहा कि अलग-अलग धार्मिक विचारों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन जबरन धर्मांतरण के मामलों में लोगों को उनकी इच्छा से वापस लाया जा सकता है। हम मानते हैं कि धार्मिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं। नारायण वामनराव ने ईसाई धर्म अपनाया था। वह एक अच्छे कवि थे। हम उनका सम्मान करते हैं। लेकिन जिनका जबरदस्ती धर्म बदला गया, उन्हें पूरी तरह से घर वापसी से वापस लाया जाना चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट का अहम फैसला

किसी को 'नीच' कह देने मात्र से नहीं लग सकता एससी-एसटी एक्ट

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति को 'नीच' जैसे सामान्य अपमानजनक शब्द कह देने मात्र से एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट अपने-आप लागू नहीं होता। जस्टिस वीरेन्द्र कुमार ने स्पष्ट किया कि यह ऐक्ट तभी लगाया जा सकता है, जब यह साबित हो कि अपमान खास तौर पर जाति के आधार पर किया गया था और आरोपी को पीड़ित की जाति की जानकारी थी।

यह मामला वर्ष 2011 में आईआईटी जोधपुर से जुड़े एक विवाद से संबंधित है। उस समय सरकारी अधिकारी अतिक्रमण की जांच के लिए मौके पर पहुंचे थे। जांच के दौरान कुछ लोगों ने इसका विरोध किया और कथित रूप से अधिकारियों को 'नीच' और 'भिखारी' जैसे शब्द कहे। अधिकारियों ने इसे जातिगत अपमान मानते हुए एफआईआर दर्ज करवाई और एससी-एसटी एक्ट की धारा के साथ आईपीसी की धाराएं भी जोड़ी गईं। आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका देते हुए कहा कि उन्हें अधिकारियों की जाति के बारे में जानकारी नहीं थी और बोले गए शब्द जाति का संकेत नहीं देते। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था, इसलिए इसे जातिगत अपमान नहीं माना जा सकता।

लखीमपुर खीरी में बड़ा हादसा

टेंपो पलटने से तीन बच्चों समेत चार की मौत

लखीमपुर खीरी, एजेंसी

लखीमपुर खीरी के धौरहरा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। बसंतापुर पुलिया के समीप सवारियों से भरा टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टेंपो चालक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों का उपचार चल रहा है। ये सभी लोग रात करीब 12:45 बजे धौरहरा से धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर लोग टेंपो से अपने गांव ऊंचगांव (थाना खमरिया) वापस लौट रहे थे। इसी दौरान घने कोहरे के चलते बसंतापुर पुलिया के पास टेंपो पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धौरहरा भेजा।

रेवेन्यू संकट से निपटने सरकार का प्लान, मप्र में महंगी हो सकती है शराब

1300 की शराब बोतल पर 50 रु. ज्यादा चुकाने होंगे, नई पॉलिसी में ठेके के नियम भी बदलेंगे

रणजीत टाइम्स

मध्य प्रदेश में शराब महंगी हो सकती है। राज्य सरकार, केंद्र से मिलने वाले करों में कटौती और बढ़ते वित्तीय बोझ से पैदा हुए रेवेन्यू संकट से निपटने के लिए एक्साइज पॉलिसी 2026-27 में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। प्रस्तावित नीति का मसौदा लगभग तैयार है, जिसमें शराब दुकानों की नीलामी की पूरी प्रक्रिया को बदलने, टैक्स कलेक्शन को सख्त करने और ठेकेदारों की मोनोपॉली को खत्म करने पर जोर दिया गया है। दरअसल, इस समय मप्र सरकार पर 4.84 लाख करोड़ का कर्ज है। साथ ही केंद्र ने केंद्रीय करो में हिस्सेदारी कम कर दी है। वहीं केंद्र ने टीसीएस यानी टैक्स एट सोर्स को 1 फीसदी से बढ़ाकर 2 फीसदी कर दिया है। इसका सीधा असर शराब की कीमतों पर पड़ सकता है।

शराब महंगी होने के पीछे तीन प्रमुख वजह

राज्य सरकार के इस बड़े कदम के पीछे एक नहीं, बल्कि तीन ठोस वित्तीय कारण हैं, जो सरकार को अपनी आय के सबसे प्रमुख स्त्रोतों में से एक, यानी आबकारी, में सुधार के लिए मजबूर कर रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने अपने यूनियन बजट 2026-27 में शराब जैसे पेय पदार्थों की बिक्री पर लगने वाले सोर्स पर टैक्स कलेक्शन की दर को 1त्न से दोगुना करके 2त्न कर दिया है। ञ्जष्टस्वह टैक्स है जिसे विक्रेता बिक्री के समय ग्राहक की ओर से वसूलता है और सरकार के पास जमा कराता है।शराब ठेकेदारों को यह राशि एडवांस में इनकम टैक्स विभाग में जमा करनी होती है। इस दर में वृद्धि का मतलब है कि ठेकेदारों की शुरुआती लागत बढ़ जाएगी। मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि इस अतिरिक्त लागत का बोझ आखिर में ग्राहकों पर डाला जाएगा, जिससे खुदरा कीमतों में सीधी बढ़ोतरी होगी।

केंद्रीय करों में हिस्सेदारी में कमी

मध्य प्रदेश को वित्तीय मोर्चे पर एक और बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी, जो अब तक 7.86% थी, उसे अगले पांच वर्षों (अप्रैल 2026 से मार्च 2031) के लिए घटाकर 7.34% कर दिया गया है। इस कटौती का सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा और अनुमान है कि इससे मध्य प्रदेश को हर साल लगभग 7,700 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। मौजूदा वित्तीय वर्ष में ही अनुमानित 1.11 लाख करोड़ रुपए की तुलना में संशोधित बजट में यह राशि घटकर 1.09 लाख करोड़ रह गई है, यानी लगभग 2,314 करोड़ रुपए की कमी। इस भारी वित्तीय अंतर को पाटने के लिए राज्य सरकार आबकारी जैसे प्रमुख राजस्व स्त्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने पर मजबूर है।
राज्य सरकार पर लोकलुभावन योजनाओं (फ्रीबीज) और बढ़ते कर्ज का दबाव लगातार बढ़ रहा है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार अब तक 62,300 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है, और कुल कर्ज का आंकड़ा राज्य के बजट के आकार को भी पार कर चुका है। वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल कर्ज 4.84 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इसके साथ ही, अलग-अलग जनकल्याणकारी योजनाओं पर होने वाला खर्च भी करीब 60 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

नई नीति के मुख्य प्रावधान

ठेकेदारों की मोनोपॉली खत्म करना: आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार, नई नीति का एक बड़ा मकसद प्रदेश में कुछ बड़े ठेकेदारों के एकाधिकार (मोनोपॉली) को खत्म करना है। पिछले कुछ सालों में कई जिलों से दो गंभीर शिकायतें सामने आई हैं।

मोनोपॉली से कॉम्पिटिशन खत्म: भोपाल, उज्जैन, सागर, टीकमगढ़ और मुरैना जैसे जिलों में ठेकेदारों की तरफ से एमआरपी से ज्यादा दाम पर शराब बेचने की शिकायतें आम थीं। मोनोपॉली के कारण प्रतिस्पर्धा खत्म हो गई थी, जिसका खामियाजा ग्राहकों को भुगतना पड़ रहा था।

ठेकेदारों की मनमानी: सतना, देवास, मंदसौर, रतलाम और इंदौर में बड़े ठेकेदारों ने बीच सत्र में ही ठेके छोड़ दिए, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ और दोबारा टेंडर जारी करने पड़े। देवास में एक ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली थी, इसके पीछे आबकारी व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां बताई गई थीं।

पॉलिसी का प्रस्ताव और प्रोसेस

पॉलिसी का प्रस्ताव तैयार करने से पहले आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने प्रदेश के ठेकेदारों, बार संचालकों और विभागीय अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें की थीं।

ठेकेदारों के सुझाव: ठेकेदारों ने रिजर्व प्राइस में हर साल होने वाली 20त्न की वृद्धि को बहुत अधिक बताते हुए इसे 10त्न करने का सुझाव दिया था। साथ ही, ड्यूटी के तहत 85त्न शराब उठाने की अनिवार्यता को भी कम करने की मांग की थी।

सीएम लेंगे आखिरी फैसला: मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली हाई एम्पावर्ड कमेटी ने नीति के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता वाली कमेटी के सामने भी इसका प्रेजेंटेशन हो चुका है। इस कमेटी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 18,000 करोड़ रुपए का राजस्व लक्ष्य तय किया है, जो पिछले साल से 2,000 करोड़ रुपए अधिक है। अब यह प्रारूप मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति के बाद अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट में भेजा जाएगा।

पवित्र स्थलों पर नहीं खुलेंगी शराब दुकानें

राजस्व बढ़ाने के दबाव के बावजूद सरकार ने सामाजिक संतुलन साधने का भी प्रयास किया है।

नई दुकानें नहीं खुलेंगी: प्रदेश में शराब की कोई भी नई दुकान खोलने का प्रस्ताव नहीं है।

पवित्र स्थलों पर सख्ती: 2025 में घोषित 19 पवित्र शहरों और स्थलों (जैसे उज्जैन, ओंकारेश्वर, मैहर) में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध सख्ती से जारी रहेगा।

कानूनी सुधार: 1915 के पुराने आबकारी अधिनियम के अव्यावहारिक प्रावधानों में संशोधन की भी तैयारी है।

बकाया वसूली: सरकार ने 1000 करोड़ रुपए से अधिक की आबकारी बकाया राशि की वसूली के लिए भी सख्त निर्देश दिए हैं।

निष्काम भाव से किया गया कर्म ही सच्ची साधना है

रणजीत टाइम्स

मानव जीवन कर्म आधारित है कर्म के बगैर जीवन जीना असंभव है। निष्काम भाव हमें लाचार और दूसरों पर बोझ बना देता है अतः कर्म सफल जीवन की जरूरत है। जब हमारे द्वारा किये गये कार्यो पर दूसरे लोग गर्व करते हैं, तब भी हमें अपने कार्य को लेकर गर्व महसूस ना हो तो इसका अर्थ है कि हममें कर्ता भाव बिलकुल नहीं है । यदि हम स्वयं के कार्य पर गर्व करते हैं तो वह गर्व सहज तो है पर कई बार यह भाव अभिमान बन जाता है, और हमें पता भी नहीं चलता। गर्व सकारात्मक अभिव्यक्ति है प्रशंसा की। लेकिन जब हमें अपने कार्य का आभास होने लगता और हममें मैंने यह क्रिया का भाव आता है, तब यह अभिमान बन जाता है जो एक नकारात्मक वृति है। अभिमान में अहंकार की छाया रहती है। 'मैं' इस अभिमान का आधार है।

सहज योग में सहज कार्य करने वाले साधक में जब कर्ता भाव आता है तो श्री माताजी सहज योग से निकल जाने की सलाह देती हैं, क्योंकि यह भाव हमारे उत्थान में बहुत बड़ी बाधा है। दरअसल सहज योग में ढ़ेरों कार्य होते हैं, जब सहज योगी अपने द्वारा किये गये कार्यों को लेकर अभिमान महसूस करता है, तब यह सहज कार्य में मशहूर होने के प्रयास सम हो जाती है। निष्काम भाव से किया गया कर्म ही ईश्वर को स्वीकार होता है। निष्काम भाव हममें स्थापित हो इसके लिए सहज योग माध्यम में बहुत सरल उपाय है जिससे हम ईड़ा (बांई ओर) और पिंगला(दाहिनी ओर) दोनों नाड़ियों को संतुलित करते हैं जिससे हमारे अंदर अंहकार और प्रति अहंकार की भावना पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। हमारे अंदर यह ज्ञान स्थापित होता है कि हमें कार्य करने की शुद्ध इच्छा ईश्वर के आशीर्वाद से ही मिलती और उस कार्य को पूर्ण करने का सामर्थ्य भी ईश्वर से ही प्राप्त होता है। हम इस सच्चाई से भिज्ञ होते हैं कि करता और करविता ईश्वर है और हम सिर्फ और सिर्फ ईश्वर के माध्यम हैं। ईश्वर का माध्यम बनने की संतुष्टि हमें बहुत अधिक शांति प्रदान करती है। चलिए हम सभी सहज योग से जुड़ते हैं और सुंदर ध्यान की तकनीक सीख ईश्वर का माध्यम बनते हैं। सहज योग ध्यान केंद्र सदैव सभी नये साधकों का स्वागत करता है। सहज योग के बारे में जानने हेतु हमारा टोल फ्री नंबर है 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

रणजीत टाइम्स

राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन में केन्द्र के साथ मिलकर करेंगे काम:सीएम

● दालें प्रोटीन का सबसे बढ़ा स्रोत,इसकी उत्पादकता और पोषण बढ़ाने के लिए आगे आएं किसान

प्रदेश में दलहन उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल करना हमारा लक्ष्य:चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की उपजाऊ धरती, समृद्ध जल संसाधन और अनुकूल जलवायु हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। इकार्डा जैसे अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान का सशक्त होना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। भारत में अन्न केवल उत्पादन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और संस्कार का आधार है अन्न देवो भवः हमारी कृषि परंपरा का मूल मंत्र है। मध्यप्रदेश 'कृषक कल्याण वर्ष' मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'बीज से बाजार तक' किसान के साथ खड़ी सरकार ने दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की है। इसका लक्ष्य वर्ष 2030-31 तक दलहन उत्पादन को 350 लाख टन तक पहुंचाना, आयात निर्भरता कम करना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस मिशन किसानों को बेहतर बीज, आधुनिक भंडारण और सुनिश्चित विपणन की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा दाल उत्पादक एवं उपभोक्ता देश है। दलहन उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है, जिससे इस मिशन का सर्वाधिक लाभ प्रदेश के किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र में दलहन आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय परामर्श एवं रणनीति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

दलहन उत्पादन में अग्रणी है मध्यप्रदेश: शिवराज

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमेरिका और यूरोप के 27 देशों से हमारा समझौता हुआ है। उन्होंने अमेरिका के साथ कृषि समझौते में किसानों के हितों की रक्षा की गई है। सीहोर का शरबती गेहूं दुनिया में धूम मचाएगा। देश के बासमती चावल और मसालों को 18 प्रतिशत टैरिफ से लाभ मिलेगा। टेक्सटाइल निर्यात बढ़ने से कपास उत्पादक किसानों को फायदा होगा। देश को दलहन में आत्मनिर्भर बनाना है। देश में मूंग को छोड़कर अन्य दालों का उत्पादन घट गया। दाल हमें विदेश से आयात करना पड़े यह देश के हित में नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार को बधाई देते हुए कहा कि हमारा मध्यप्रदेश आज भी दलहन उत्पादन में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि किसानों को केवल गेहूं, सोयाबीन और धान ही नहीं उगाना चाहिए, बल्कि फसल चक्रण पर ध्यान देना चाहिए। देश में चना, मसूर और उड़द का उत्पादन बढ़ाना है। दलहन फसलों के उन्नत बीज तैयार किए जाएंगे।

पूरा जम्मू-कश्मीर और अक्साई चिन भारत का है

● ट्रेड डील के साथ यूएस ने जारी किया अखंड भारत का नक्शा

वाशिंगटन (एजेंसी)। नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच शनिवार को हुए अंतरिम व्यापार समझौते की चर्चा जितनी इसके आर्थिक पहलुओं को लेकर है, उससे कहीं अधिक चर्चा अमेरिकी प्रशासन द्वारा जारी किए गए भारत के एक नक्शे को लेकर हो रही है। ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने न केवल सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, बल्कि कूटनीतिक गलियारों में भी बड़े संकेत दे दिए हैं। अमूमन अंतरराष्ट्रीय मंचों और पश्चिमी देशों के सरकारी नक्शों में जम्मू-कश्मीर के विवादित हिस्सों को अलग रंग या डॉटेड लाइन्स से दिखाया जाता है। लेकिन इस बार यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के कार्यालय द्वारा जारी नक्शे ने सबको चौंका दिया। संपूर्ण जम्मू-कश्मीर- नक्शे में पूरे जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया गया है। इसमें पीओके (पीओके यानी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) को भी भारतीय सीमा के भीतर दर्शाया गया है। अक्साई चिन भी शामिलः सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस नक्शे में अक्साई चिन को भी भारत के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिस पर वर्तमान में चीन का कब्जा है और वह इसे अपना क्षेत्र बताता है। जैसे ही यह नक्शा सार्वजनिक हुआ,यह इंटरनेट पर वायरल हो गया।

भारत ने दुनिया को दिखाई अब परमाणु वाली ताकत

● मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपने दुश्मनों को एक बार फिर आगाह कर दिया है। शुक्रवार को भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया है कि इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक किया गया। प्रक्षेपण के दौरान सभी संचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह परीक्षण स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देख रेख में किया गया। अग्नि-3 एक परमाणु क्षमता वाली इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक इसके सफल परीक्षण ने मिसाइल सिस्टम की विश्वसनीयता की पुष्टि कर दी है। यह मिसाइल एक दो-स्टेज वाला सिस्टम है जो सॉलिड फ्यूल से चलता है। पहले स्टेज का ईंधन खत्म होने के बाद, दूसरा स्टेज शुरू होता है और मिसाइल तय रास्ते पर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ता है। इससे मिसाइल की स्थिरता और सटीकता बनी रहती है। वहीं इसकी मारक क्षमता की रेंज की बात करें तो यह लगभग 3,000 से 3,500 किलोमीटर है।

मंत्री-शाह ने कर्नल सोफिया मामले में चौथी बार मांगी माफी

● सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले वीडियो जारी किया, कहा-आवेश में निकले थे शब्द

भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया को लेकर दिए बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से दो दिन पहले प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने एक बार फिर माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया है। शाह ने कहा- मैंने पहले भी कई बार कहा है, मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज, किसी वर्ग का अपमान हो। वे शब्द निस्संदेह मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। वे शब्द देश भक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने अंतःकरण से क्षमा याचना की। कई बार की है। आज फिर कर रहा हूं। मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी छोटी से त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावनाओं को सही संदर्भ में देखा जाएगा। भारतीय सेना के प्रति मेरे मन में सदैव सम्मान रहा है और रहेगा। सार्वजनिक जीवन में रहते हुए ऐसे शब्दों की मर्यादा, संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस घटना से मैंने आत्ममंथन किया है। सबक लिया है। जिम्मेदारी मानता हूं। भविष्य में वाणी पर नियंत्रण रहेगा। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। एक बार पुनः उस मामले में आप सभी नागरिकों से, भारतीय सेना से, सब लोगों से अंतःकरण से माफी मांगता हूं।

विजय शाह ने पिछले साल महू में दिया था बयान

11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था-उन्होंने (आतंकियों ने) कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। शाह ने आगे कहा-अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में एमपी सरकार को देना है जवाब

मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन (प्रॉसीक्यूशन) की मंजूरी के मामले में मध्यप्रदेश सरकार को 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना है। इससे पहले कोर्ट ने राज्य सरकार को 15 दिन के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। सरकारी और राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से और समय मांग सकती है। तर्क यह दिया जाएगा कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और विस्तृत परीक्षण जरूरी है। यही रुख शुरुआत से मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम का भी रहा है।

दिया कबीरा रोय

वस्तु अमोलक दी मेरे सदगुरु...

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

असफल खिलाड़ी सफल कोच साबित होता है।जो खुद कभी काम्प्टीशन नहीं निकाल पाया वह काम्प्टीशन की बेहतरीन तैयारी करवा देता है।शिब्बू भैया का दुर्भाग्य रहा वे पार्षद से आगे नहीं जा पाये(वैसे वे इसका ठीकरा कक्काजी के सर पर फोड़ते है।उनका कहना है कि कक्काजी ने उन जैसे कइयों को निपटाया)पर उनके पास प्रधानमंत्री बनने तक के कारगर नुस्खे हैं।और आप यह मत सोच लेना कि केवल बतोलेबाजी है।उनके पास भीड़ लगी रहती है।लोगों को फायदा नहीं हो रहा होता तो लोग क्यों आते?वे उभरते हुए नेताओं से घिरे रहते हैं।जब भी जाओ उनके पास कोई न कोई उभरता हुआ नेता बैठा हुआ मिलेगा।एक उभरते हुए नेता हैं उन्हें मैं पांच साल से उभरते हुए देख रहा हूं।हर दूसरे तीसरे दिन शिब्बू भैया से चिपके हुए मिलते हैं।वे इधर-उधर हुए तो मैंने शिब्बू भैया से पूछा-ये तो पांच साल से उभर रहे हैं।आखिर कब तक उभरते रहेंगे?मुझे डांट पड़ गयी।शिब्बू भैया बोले-तुम नालायक हो।इसीलिए तो उभर नहीं पाये।अरे,यह क्यों नहीं सोचते कि वो कम से कम उभर तो रहा है।अपना उभार तो मेंटेन किये हुए है।तुम्हें कुछ अंड गंड

है?आजकल तो उभरने ही नहीं देते,बेटा।पूत के पांव पालने में ही छांट दिये जाते हैं।नोंक निकलते देर नहीं होती और घिस दी जाती है।और जैसे तैसे उभर गये तो फिर उभरते ही रहोगे।मैं कितने लोगों को जानता हूं जो उभरते उभरते एक दिन पिचक गये,या फिर पककर फूट गये।उभरने के आगे नहीं जा पाये।ये लोग मेरे पास यूं ही नहीं आते।मेरे में ऐसे कौन से सुरखाव के पर लगे हैं?मैं इन लोगों को बड़े काम की चीजें बताता हूं। शिब्बू भैया की यह बात तो मैं भी मानता हूं कि उनके पास लाजबाव चीजें होती हैं।आज जो विधायक जी हैं न।ये विधायक ऐसे ही नहीं बन गये।मैंने खुद देखा है शिब्बू भैया के दरबार में पड़े रहते थे।शिब्बू भैया को रजनीगंधा ला लाकर देते थे।शिब्बू भैया रीझ गये।एक दिन शिब्बू भैया ने पुड़िया पकड़ा दी।आज देख लीजिए माशाअल्लाह एमएलए हैं।मेरे सामने की ही तो बात है।याद नहीं आ रहा है कि गणतंत्र दिवस था या स्वतंत्रता दिवस।गाना बज रहा था....

ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आंख में भर लो पानी...
कोई सिख कोई जाट मराठा कोई गोरखा कोई मद्रासी....
सीमा पर मरने वाला हर वीर था भारतवासी...

मैं देख रहा था शिब्बू भैया की आंखें पानी से तो नहीं भरीं बल्कि चमक से भर गयीं।मैं उसी समय समझ गया था कि शिब्बू भैया को कुछ मिल गया है।गिद्ध तो बचे नहीं पर वे जाते जाते अपनी गृद्ध दृष्टि शिब्बू भैया को दे गये हैं।बचे-खुचे रजनीगंधा की आखिरी फक्की मारते हुए शिब्बू भैया बोले-मुन्ना (वे विधायक जी को लाड़ से मुन्ना ही कहते हैं) तुम्हारा काम बन गया।तुम इसी गाने को पकड़ लो।इससे टस से मस मत होना।तुम्हारे क्षेत्र में जाटों की चलती है।ध्यान से सुनो,इस गाने में केवल सिख-जाट-मराठा का जिक्र आया है। दूसरी भी समाजें हैं,उनका नाम नहीं आया।सबसे कहो कि यही भेदभाव तो शुरू से होता आया है।बाकी समाजों को हर जगह पीछे किया गया।और सुनो,अच्छे से याद कर लो,इस गाने को लिखा है कवि प्रदीप ने जो औदिच्य ब्राह्मण थे।संगीत सी. रामचंद्र का है जो मराठी देशस्थ ब्राह्मण थे और गाया है लता मंगेशकर ने जो सबको पता है कि मराठी ब्राह्मण थीं।मसाला कम्प्लीट है।देर मत करो।फेंक दो पत्ता।ब्राह्मण और जाटों की सांठ-गांठ बता दो।मांग उठाओ कि इस गाने में बाकी समाजों को भी जोड़ा जाये।तब तक इस गाने के बहिष्कार का नारा दे दो।हम बजने नहीं देंगे। जहां बजेगा वहां हम प्रदर्शन करेंगे।मुन्ना भैया झूम उठे थे।गुरु सेवा का फल मिल चुका था।वस्तु अमोलक दी मेरे सदगुरु,करि कृपा अपड़ायो।वे आज्ञाकारी तो थे ही।उन्होंने शिब्बू भैया का आदेश शिरोधार्य किया और देखिए भगवान की कृपा है कि आज ठप्पे से विधायक बनकर खेल कर रहे हैं।अब तो सुना है,मंत्री दर्जा भी मिलने वाला है।जो कभी कर्ज़े में थे आज दर्ज़े में हैं। जैसे उनके दिन फिरे वैसे भगवान सबके फेरे। बोल सांचे दरबार की जय।

इनोवेशन

22 भाषाओं में बोलेगा भारत का देसी एआई मॉडल खेती-किसानी की समस्याओं का मिलेगा समाधान

भारत सरकार देश का अपना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल तैयार कर रही है। देश के पहले सरकारी और देसी जेनएआई के तहत बनने वाले टेक्स्ट आधारित एआई मॉडल का काम इसी महीने पूरा कर लिया जाएगा। यह एआई सिस्टम सिर्फ अंग्रेजी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी, उर्दू सहित देश की सभी प्रमुख भाषाओं में लोगों से संवाद कर सकेगा। वहीं, इसी का बोलने और देखने की क्षमता वाला रूप स्पीच और विजन टेक्नोलॉजी से लैस होगा।

15 भाषाओं में पहले से विकसित : भारत जेनएआई, इंडिया एआई मिशन के तहत विकसित किया जा रहा है और यह भारत का पहला राष्ट्रीय फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा। इसे पूरी तरह भारतीय जरूरतों और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार डिजाइन किया गया है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत स्पीच (बोलने) और विजन (देखने) से जुड़ी क्षमताएं पहले ही 15 भारतीय भाषाओं में तैयार की जा चुकी हैं। उन्हें आगे चरणबद्ध तरीके से और भाषाओं तक बढ़ाया जाएगा। सरकार के मुताबिक भारत जेनएआई का इस्तेमाल सिर्फ चैट या जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका इस्तेमाल कृषि, आयुर्वेद, स्वास्थ्य सेवाओं और कानूनी सहायता जैसे क्षेत्रों में भी किया जाएगा, ताकि आम लोगों को सीधे फायदा मिल सके। इस परियोजना का नेतृत्व आईआईटी बॉम्बे कर रहा है, जिसमें आईआईटी मद्रास, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मंडी और आईआईटी इंदौर जैसे प्रमुख संस्थान शामिल हैं। सरकार ने इसे पूरे देश की साझी पहल बताया है। मंत्री ने बताया कि दुनिया के कई देशों में AI मॉडल एक जैसी भाषा और संस्कृति वाले समाज के लिए बनाए जाते हैं।

इंस्पिरेशन

बांस की झोपड़ी में फ्री कोचिंग, दिलवा चुके कई छात्रों को सरकारी जॉब, ये हैं... गोपाल कृष्ण झा सर

देश भर में एक ओर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े-बड़े कोचिंग संस्थानों की भारी फीस ने छात्रों की कमर तोड़ रखी है, वहीं भागलपुर के आदमपुर मोहल्ले में एक शख्स 'उम्मीद की मशाल' जलाए हुए हैं। यह कहानी है 45 वर्षीय गोपाल कृष्ण झा की, जो बांस की एक झोपड़ी में 'आशीर्वाद निःशुल्क शिक्षण संस्थान' के जरिए 300 से अधिक छात्रों को मुफ्त में सरकारी नौकरी की तैयारी करा रहे हैं। वे बिना कोई फीस लिए हफ्ते में पांच दिन 300 से ज्यादा छात्रों को पढ़ाते हैं। उनका 'आशीर्वाद निः शुल्क शिक्षण संस्थान' बांस की बनी एक झोपड़ी में चलता है। गोपाल कृष्ण झा एक सरकारी बीमा कंपनी में असिस्टेंट के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने तिलका मांझी भागलपुर यूनिवर्सिटी में से ग्रेजुएशन किया था। उन्हीं दिनों उन्होंने समाज को कुछ वापस देने का फैसला किया था। इसी के चलते उन्होंने 'आशीर्वाद निःशुल्क शिक्षण संस्थान' की शुरुआत की। दरअसल आशीर्वाद निःशुल्क शिक्षण संस्थान की शुरुआत भागलपुर सांप्रदायिक दंगों के बाद के हालात से जुड़ी है। दंगों में एक हज़ार से ज्यादा लोग मारे गए थे, कई लोग बेघर हो गए और सामान्य जीवन सालों तक अस्त-व्यस्त रहा। TMBU के कई छात्रों को अपने हॉस्टल खाली करने पड़े और उन्हें सदर अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया था।दंगों से प्रभावित छात्र सदर अस्पताल में रह रहे थे। हममें से पांच लोग नियमित रूप से वहां जाते थे। पढ़ाई के अलावा करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था। सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए, हमने दूसरे छात्रों की भी मदद करना शुरू कर दिया। गोपाल कृष्ण झा ने बताया कि उस समय क्लास अस्पताल परिसर के अंदर एक टूटे-फूटे हॉल में लगती थीं। पढ़ाना और सीखना साथ-साथ चलता रहा। झा ने आगे कहा मेरे चार दोस्तों ने परीक्षा पास की और देश के अलग-अलग हिस्सों में पोस्टिंग मिल गई। पढ़ाना जारी रहा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर साझा बयान आ गया

अमेरिका की इन चीजों पर भारत 'टैरिफ 0' या कम करेगा। इंडस्ट्रियल सामान खेती से जुड़े समानों की लंबी लिस्ट है। अमेरिका से आने वाली खाने पीने की चीजें Dried distillers grains (DDGs) पशु चारा के लिए लाल ज्वार ड्राई फ्रूट सोयाबीन तेल वाइन और स्प्रिट अमेरिका इन चीजों पर 18% टैरिफ वसूलेगा। भारत के सामानों पर कपड़ा और परिधान चमड़ा और जूते प्लास्टिक और रबर ऑर्गेनिक कैमिकल घर

की सजावट के सामान कारीगर उत्पाद मशीनरी याद रहे पहले इन सामानों पर 3% टैरिफ लगता था, फिर ट्रंप आए और टैरिफ बढ़ाकर 50% किया, और अब इसे घटाकर 18% कर दिया भारत 500 बिलियन डॉलर का सामान खरीदेगा। भारत अगले 5 साल में 500 बिलियन डॉलर का सामान अमेरिका से खरीदेगा, जैसे अमेरिकी ऊर्जा (तेल-गैस), विमान और विमान के पुर्जे, कीमती धातुएं, टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट और कोयला।

तनाव भरी जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना बड़ी चुनौती...

आज की व्यस्त और तनावपूर्ण जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। भारतीय परंपरा से प्रेरित माइंडफुलनेस और मेडिटेशन जैसी तकनीकें तनाव को कम करने और मानसिक शांति पाने में सहायक हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान, मंत्र जाप, और आयुर्वेदिक दिनचर्या जैसे उपाय न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं। माइंडफुलनेस ईटिंग जैसे तरीकों से खानपान पर ध्यान देकर मानसिक और शारीरिक संतुलन हासिल किया जा सकता है।

आज के समय में तनाव, डिप्रेशन के केस बढ़ते ही जा रहे हैं और ऐसे में अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी बन जाता है। मानसिक सेहत को ठीक रखने के लिए भी आपको इस पर काम करने की जरूरत है। आप माइंडफुलनेस और मेडिटेशन जैसी तकनीकों का सहारा ले सकते है। अगर हम माइंडफुलनेस की बात करें तो इसकी जड़ें प्राचीन पूर्वी देशों और बौद्धिक परंपराओं से जुड़ी हुई हैं लेकिन इसके कुछ जिक्र हिंदू ग्रंथों में भी देखने को मिले हैं।

अगर भारतीय परम्परा से जुड़े मानसिक स्वास्थ्य के उपायों की बात करें तो इसमें योग, ध्यान, मंत्र उच्चारण करना जैसी तकनीक शामिल हैं जो आपके दिमाग को मजबूत बनाती हैं। आपको अंदर से खुश और शांत रहने के लिए इन सब तकनीकों को अपनाना चाहिए।

भारतीय परंपरा में मौजूद हैं असरदार उपाय

योग और प्राणायाम

योग करने से न केवल हमारा शरीर फिट रहता है बल्कि इसके मानसिक सेहत को भी बहुत सारे लाभ मिलते हैं। योग या प्राणायाम करने से आप का दिमाग स्थिर रहता है और आपके विचारों में एक स्पष्टता आती है। योग में आपकी सांस लेने की तकनीक, आपका फिजिकल पोस्चर और मेडिटेशन तीनों ही जुड़े हुए होते हैं। इसे करने से आप की स्ट्रेस कम होती है और आप अंदर से खुश महसूस कर पाते हैं।

मेडिटेशन या ध्यान

मेडिटेशन की मदद से आप अध्यात्म से जुड़ सकते हैं और अपने अंदर झांक सकते हैं। अगर आप खुद को सुधारना चाहते हैं तो पहले आप को अपने अंदर की कमियों और अपने बारे में सारी जानकारियों का पता होना जरूरी होता है। ऐसा आप मेडिटेशन या ध्यान के माध्यम से कर सकते हैं। यह जितनी आसान तकनीक दिखाई पड़ती है, असल में उतनी आसान है नहीं। भारतीय ऋषि मुनियों और गुरुओं ने सदियों से इस तकनीक का प्रयोग किया है। इससे आप की चिंताएं कम होती हैं और आपका फोकस बढ़ता है।

दिनचर्या : आयुर्वेद टिप्स का प्रयोग करें

आपको अपना डेली रूटीन यानी दिनचर्या आयुर्वेदिक तकनीकों द्वारा फॉलो करना चाहिए। आप आयुर्वेद की टिप्स का प्रयोग अपने खान पान और रहन सहन में कर सकते हैं। इससे आपके शरीर के सारे दोष बैलेंस रहेंगे और आपका पाचन अच्छे से काम करेगा। साथ ही मन भी शांत रहेगा। इससे सारे शरीर की रिदम बनी रहेगी। मानसिक रूप से भी आप संतुलित रहेंगे।

मंत्रों में होती है काफी शक्ति

हो सकता है यह आपके लिए थोड़ा कठिन हो लेकिन जो मानसिक शांति मंत्रों का जाप करने से मिलती है, वह बहुत कम ही चीजों में मिलती है। मंत्रों का उच्चारण करना मानसिक रूप से शांत होने का एक बेहद अच्छा तरीका है। मंत्रों में काफी शक्ति होती है और अगर आप ध्यान से रोजाना नियमों का पालन करते हुए मंत्रों का जाप करने लगते हैं तो आप को एक नहीं अनेकों लाभ मिल सकते हैं।

रसायन या माइंडफुलनेस ईटिंग

जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है कि माइंडफुलनेस ईटिंग का अर्थ होता है खाते समय दिमाग लगाना। इसका अर्थ यह है कि कई बार हम स्वाद के चक्कर में ज्यादा खाते ही जाते हैं और हमें कब रुकना है, इसका पता ही नहीं चल पाता है लेकिन आपको अपनी भूख का पता होना चाहिए और जितने में आपका पेट भर जाए, तब रुक जाना चाहिए। आपको खाना खाते समय भी पूरी तरह से अलर्ट रहना चाहिए। साथ ही खाने में कम मसालों का प्रयोग करें और ताजा भोजन करें। हमारी डाइट भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है इसलिए आप को ध्यानपूर्वक खाना खाना चाहिए।

इंदौर कोर्ट का बड़ा फैसला, 'गर्भस्थ शिशु' भी माना जाएगा पिता का आश्रित, मृतक आरक्षक के परिवार को मिलेंगे 51 लाख

इंदौर कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ये कहा कि अब पिता का आश्रित गर्भस्थ शिशु भी होगा। ये महत्वपूर्ण फैसला मील का पत्थर सिद्ध होगा। सड़क दुर्घटनाओं में मुआवजे के दावों को लेकर इंदौर जिला न्यायालय ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कानूनी मिसाल कायम की है। कोर्ट ने अपने एक फैसले में माना है कि पिता की मृत्यु के समय यदि बच्चा मां के गर्भ में है, तो भी उसे पिता की आय पर आश्रित माना जाएगा।

बोर्ड ऑफिस पर चल रहा प्रदर्शन

बोर्ड ऑफिस पर चल रहा प्रदर्शन ओला, उबर और रैपीडो चालकों की हड़ताल भोपाल में हड़ताल पर ओला, उबर के चालक राजधानी में 2 घंटे की हड़ताल पर ऑनलाइन टैक्सी चालक सरकार से न्यूनतम किराए की अधिसूचना जारी करने की मांग बाइक टैक्सी भी बंद करने की कर रहे हैं मांग नॉन कमर्शियल वाहन भी बंद करने की मांग भोपाल टैक्सी चालक संघ के बैनर तले कर रहे प्रदर्शन मांगी पूरी नहीं होने पर बड़ा आंदोलन करेंगे।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

रेखा हमेशा से मेरी आइकन रही हैं, हुमा ने अभिनेत्री के साथ बिताए खास लम्हों को किया याद

बॉलीवुड की अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने खास पलों से भरा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने इसे प्यार से भरी शाम बताया और सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर उन्होंने बॉलीवुड की सदाबहार अभिनेत्री रेखा के साथ तस्वीर शेयर की। हुमा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में रेखा के साथ एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं और एक-दूसरे से गर्मजोशी के साथ मिल रही हैं। हुमा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव था, और रेखा जी की मौजूदगी से मुझे प्यार महसूस हुआ। वह हमेशा से मेरी आइकन रही हैं, उनके साथ एक प्यार भरी शाम। यह तस्वीर मर्दानी 3 फिल्म की सक्सेस पार्टी के दौरान ली गई थी। हुमा ने इसी मौके पर अपने भाई साकिब सलीम और अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ भी तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने रानी की परफॉर्मेंस की भी तारीफ की और लिखा, रानी की अदाकारी ने मुझे पूरी तरह प्रभावित किया। मैं उनके काम को देख हैरान और बेहद खुश भी हूं।

फिल्म में बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाया गया अपराधों को

30 जनवरी को यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) की फिल्म मर्दानी 3 सिनेमाघरों में दस्तक दी। यह मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी है। फ्रेंचाइजी महिलाओं की सुरक्षा, अपराध और सामाजिक मुद्दों पर आधारित रही है। मर्दानी और मर्दानी 2 दोनों ही फिल्मों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाया गया था। अब मर्दानी 3 भी गंभीर मुद्दे को उठाती है। फिल्म की कहानी रानी मुखर्जी के किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एनआईए के साथ काम करती हैं और छोटी बच्चियों के लापता होने वाले मामलों की जांच करती हैं।

ड्रैगन का किरदार निभाने वाली कनिका मान ने खोले किरदार से जुड़े राज

अपने किरदार को जीने लगी हूं

टीवी के पॉपुलर सीरियल गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की कनिका मान एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार वह आम इंसान बनकर नहीं, बल्कि ड्रैगन बनकर फैंस का दिल जीतने वाली हैं। अब नागिन 7 में अपनी एंट्री और ड्रैगन के किरदार पर कनिका मान ने कहा कि ड्रैगन का किरदार निभाना उनके लिए सपने जैसा है।

कनिका मान ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अपने ड्रैगन के खूंखार किरदार पर बात करते हुए कहा, सीरियल में बीते 12 एपिसोड से ड्रैगन दिखाया जा रहा है और दर्शक पहले से ही उससे कनेक्टेड हैं, लेकिन बस अब नया चेहरा मेरा होने वाला है। मुझे उम्मीद है कि मैं ड्रैगन का किरदार अच्छे से निभा पाऊंगी। ड्रैगन की दुनिया अलग है, लेकिन ड्रैगन बनने से पहले किरदार राधिका के जीवन में कई उतार-चढ़ाव हैं, जो दर्शकों को कनेक्ट करने की कोशिश करेगी। मुझे ड्रैगन के लुक को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट है क्योंकि वह अलग दुनिया से आता है और मैंने आज तक ऐसा किरदार नहीं निभाया है। उन्होंने आगे कहा, राधिका का किरदार कुछ-कुछ ग्रे शेड्स जैसा है। उसे गुस्सा आता है तो वो गुस्सा करती है और अगर खुश है तो खुश हो जाती है, लेकिन उसे सीमा पार करना भी आता है और यही वजह है कि किरदार थोड़ा निगेटिव हो जाता है, लेकिन मुझे इस किरदार को निभाने में मजा आ रहा है। सीरियल में कुछ एक्शन सीन्स भी देखने को मिलेंगे और उनकी शूटिंग भी बहुत सावधानी से होगी। जिस तरीके का किरदार है, मैं अंदाजा लगा सकती हूं कि बहुत सारे स्टंट शूट होंगे। कनिका का कहना है कि वे हर किरदार से कुछ न कुछ सीखती हैं। अपने नए ड्रैगन के किरदार पर कनिका ने कहा, मेरे लिए ड्रैगन बनना आसान नहीं है, लेकिन उससे ज्यादा मैं राधिका के किरदार से सीख रही हूं।

टी20 वर्ल्ड कप का महासंग्राम में भारत का जीत से आगाज

सूर्या को गंभीर ने गिरते विकेट के बीच भेजा मैसेज, फिर बदला गियर, हासिल की जीत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में अपने सफर का आगाज जीत के साथ किया है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने यूएसए को 29 रन से हरा दिया। टीम इंडिया के जीत के हीरो कप्तान सूर्यकुमार यादव रहे जिन्होंने 49 गेंद पर नाबाद 84 रन की विस्फोटक पारी खेली। भारतीय कप्तान को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान सूर्यकुमार यादव ने कहा, टीम जब 77 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, तो मुझे लगता था कि एक बल्लेबाज को अंत तक खेलने की जरूरत है। मुझे कभी नहीं लगा कि यह 180-190 विकेट है। मुझे लगा कि यह 140 विकेट है। गौती भाई ने 14 ओवर के बाद ब्रेक के दौरान मुझसे यही बात कही। उन्होंने कहा कि आखिर तक बल्लेबाजी की कोशिश करो, तुम इसे कभी भी कवर कर सकते हो। भारतीय कप्तान ने कहा- मैंने अपना बहुत सारा क्रिकेट मुंबई में, इस विकेट पर और मुंबई क्रिकेट के मैदानों पर खेला है। इसलिए मुझे पता है कि इस तरह के विकेटों पर कैसे बल्लेबाजी करनी है। मैं बस गिनता रहा कि उस समय कौन गेंदबाजी करने वाला है और देखता रहा कि कितनी गेंद बची हैं, और मैं बस अच्छे और अपने शॉट खेलने की कोशिश कर रहा था।

टीम इंडिया के गेमचेंजर खिलाड़ी, बने जीत के हीरो

हालांकि, इस मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद सूर्य कुमार यादव के अलावा इन चार खिलाड़ियों ने गेम को पलटने का काम किया.

तिलक वर्मा की 25 रनों की पारी को कम नहीं आंका जा सकता है. तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक ने 16 गेंद में 25 रनों की पारी खेली. तिलक ने 3 चौके और 1 छक्का भी लगाया.

टीम इंडिया की जीत के तीसरे हीरो तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज रहे. सिराज ने भारतीय टीम को नई गेंद से शुरुआती सफलता दिलाते हुए कुल तीन विकेट अपने नाम किए. नई गेंद से सिराज की शुरुआती सफलता के कारण ही अमेरिका की बैटिंग ऑर्डर बुरी तरह से लड़खड़ा गई, जिसकी वजह से टीम इंडिया ने 161 रन के स्कोर को सफलतापूर्वक डिफेंड किया.

मोहम्मद सिराज के साथ अर्शदीप सिंह ने भी गेंदबाजी से टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाई. सिराज के साथ-साथ दूसरे छोर से अर्शदीप ने भी नई गेंद से विकेट निकाला. अर्शदीप ने टीम इंडिया के लिए पारी में 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट लिए.

इसके अलावा अक्षर पटेल ने भी टीम इंडिया की जीत में एक शानदार कैमियो प्ले किया. पहले बल्लेबाजी में उन्होंने 14 रन बनाए और उसके बाद गेंदबाजी के अपने आखिरी ओवर में बैक टू बैट दो विकेट लेकर टीम इंडिया की जीत को पक्की करने का काम किया.

161 के जवाब में यूएसए ने 132 रन बनाए

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंद पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 84 रन बनाकर भारत का स्कोर 161 रन तक पहुंचाया। यूएसए की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन बना सकी और 29 रन से मैच हार गई।

चौरागढ़ मंदिर में जुटे शिवभक्त

पचमढ़ी। प्रदेश के मशहूर हिल स्टेशन पचमढ़ी में महाशिवरात्रि मेला शुरू हो गया है। ये मेला 15 फरवरी तक चलेगा। मेले में 4 से 5 लाख श्रद्धालु आने की उम्मीद है। खास बात ये है कि श्रद्धालु 4350 फीट ऊंची पहाड़ी पर 1300 से अधिक खड़ी सीढ़ियां चढ़कर चौरागढ़ मंदिर में चौरा बाबा के दर्शन करते है। श्रद्धालु मन्नत के लिए भारी से भारी त्रिशूल भी अर्पित करते है। प्रशासन ने 10 दिवसीय आस्था के महोत्सव में श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं।

सागर में बीच बाजार से युवक का अपहरण, अंगुली काट छीनी अंगूठी

» बेरहमी से की पिटाई, घंटों ऑटो में घुमाते रहे बदमाश

रंजीत टाइम्स

शहर के गोपालगंज थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े युवक का अपहरण कर बदमाशों ने घंटों उसकी पिटाई की। बदमाश युवक को बीच बाजार से अगवा कर शहर में इधर-उधर घुमाते रहे और बेरहमी से पीटते रहे। बाद में अंगुली काटकर सोने की अंगूठी छीन ली और अधमरी हालत में उसे छोड़कर फरार हो गए।

इसके बाद उसे ऑटो में बैठाकर करीब तीन घंटे तक शहर घुमाते रहे। तिली गांव मरघटा में धीरज कोरी ने अंगूठी ली और दोबारा पिटाई की। चीख-पुकार सुनकर दीपक के मामा और अन्य मौके पर पहुंचे, जिन्हें देख आरोपित फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल दीपक को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने धीरज कोरी, विवेक जैन और एलियन के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार धीरज मोतीनगर थाना का निगरानीशुदा बदमाश है।

तीन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तिरुपतिपुरम कॉलोनी निवासी 29 वर्षीय दीपक राय ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे शांति होटल के पास स्थित एसबीआइ कियोस्क से रुपए निकालने गया था। इसी दौरान धीरज कोरी, विवेक जैन और एलियन नाम के तीन युवक इलेक्ट्रिक ऑटो से वहां पहुंचे। आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए छुरा अड़ाकर दीपक को जबरन ऑटो में बैठा लिया और बाघराज वार्ड की सुनसान जगह ले गए, जहां डंडे और पत्थरों से जमकर पिटाई की।

10 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे: पचमढ़ी, राजगढ़, और खजुराहो सबसे ज्यादा ठंडे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में ठंड का असर एक बार फिर तेज हो गया है। शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल और आर्थिक राजधानी इंदौर में भी पारे में गिरावट देखने को मिली। भोपाल में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री और इंदौर में 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के सबसे ठंडे शहर पचमढ़ी, उमरिया और खजुराहो रहे, जहां तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ में 8.5 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, रीवा और मलाजखंड में 9.1 डिग्री, जबकि नौगांव में 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बड़े शहरों में ग्वालियर का न्यूनतम तापमान 11.2, उज्जैन का 12 और जबलपुर का 11.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

सुबह के समय कई जिलों में कोहरे का भी असर रहा। उज्जैन में विजिबिलिटी 1 किलोमीटर से अधिक रही, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रतलाम, मंडला और सतना में दृश्यता 2 से 4 किलोमीटर के बीच दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में रात की ठंड का असर बना रह सकता है।

फसल को हो रहा नुकसान

पिछले कुछ दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है, जिससे मौसम अस्थिर बना हुआ है। इस बदलाव का सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। जिले में बड़े पैमाने पर बोई गई चने की फसल को ठंड और कोहरे से नुकसान हो रहा है। किसानों के अनुसार नमी और कम तापमान से फसल की बढ़वार प्रभावित हो रही है, जिससे पैदावार घटने की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी ठंड बने रहने की संभावना जताई है।

सूरजकुंड मेला हादसा

एसएचओ जगदीश प्रसाद के परिवार को 1 करोड़ की मिलेगी मदद

चंडीगढ़। फरीदाबाद में आयोजित किए जा रहे सूरजकुंड मेला में शनिवार एक झूला अचानक तकनीकी खराबी के कारण टूटकर गिर गया, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के समय ड्यूटी पर तैनात निरीक्षक जगदीश ने तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तत्काल बचाव कार्य प्रारंभ किया।

लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास के दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीजीपी सिंघल ने कहा कि इंस्पेक्टर जगदीश के परिजनों को पॉलिसी के तहत 1 करोड़ रुपये की राशि तथा विभाग द्वारा दिए जाने वाले अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे और कहा कि हरियाणा पुलिस की तरफ से परिजनों की हर संभव मदद की जाएगी।

डलास में बढ़ते इस्लामीकरण पर बोले अमेरिकी सांसद ब्रैंडन गिल

आतंक, कट्टरपंथ, दहशत... ऐसा लगता है हम पाकिस्तान में हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

डलास अब पाकिस्तान बन चुका है, जहां अपराधों का बोलबाला है, जहां आतंक है, कट्टरपंथ है, दहशत है, टॉक्सिक माहौल है, ज्यादती है और भयानक इस्लामीकरण है। इसलिए 'ऐसा लगता है जैसे आप डलास में नहीं पाकिस्तान में हैं'...यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि एक अमेरिकी सांसद ने कही है। एक अमेरिकी सांसद ने टेक्सास के क्षेत्रों में हो रहे कट्टर इस्लामीकरण को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है।

अमेरिका के सांसद ब्रैंडन गिल ने यह मामला 'रियल अमेरिकाज वॉयस' के साथ साक्षात्कार के दौरान उठाया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने मतदाताओं से यह शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं, जो डलास के बढ़ते इस्लामीकरण से बहुत चिंतित हैं। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ने कहा कि हमारे निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे परिवारों की

जमीनों पर इस्लामीकरण करके वहां, मस्जिदें बनाई जा रही हैं, जो उनकी पुश्तैनी जमीन थी और जहां कई पीढ़ियों से लोग रह रहे हैं। इसके बावजूद जबरन वहां मस्जिदें बनाई जा रही हैं।

मॉल से लेकर बाजारों तक मुस्लिम ही मुस्लिम

अमेरिकी सांसद ने कहा कि क्षेत्रीय लोगों की जमीनों पर जबरन कब्जा करके सिर्फ मस्जिदें ही नहीं बनाई जा रही हैं, बल्कि इस क्षेत्र का भयानक इस्लामीकरण हो गया है। हालत ये हैं कि आप कहीं भी चले जाइये, स्थानीय मार्केट से लेकर मॉल तक में...वहां आपको ऐसा लगेगा ही नहीं कि आप डलास या टेक्सास में हैं, आपको लगेगा कि पाकिस्तान में हैं। उन्होंने कहा कि पूरा समुदाय बदल रहा है। लोगों की पुश्तैनी जमीनों पर मस्जिद बनाई जा रही हैं।

बड़े पैमाने पर इस्लामिक प्रवास से खतरे में अमेरिका

अमेरिकी सांसद ने कहा कि बड़े पैमाने पर डलास और टेक्सास क्षेत्र में इस्लामिक प्रवास बढ़ रहा है, इससे उस अमेरिका को खतरा हो गया हैं। बता दें कि सांसद ब्रैंडन गिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में टेक्सास के 26वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह 2024 में कांग्रेस के लिए चुने गए थे। वह प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका, बजट और निगरानी समितियों में कार्यरत हैं। इसमें वह डेलिवरिंग ऑन गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) भी शामिल है, जिसका काम सीमा को सुरक्षित करने, जीवन रक्षा करने और सरकारी अपव्यय को रोकने के साथ अमेरिका की आर्थिक शक्ति को मजबूत करना है।

भाव-विभोर हुआ उपजेल देपालपुर, सीएमसीएलडीपी छात्रों का अध्ययन भ्रमण बना संवेदनाओं का साक्षी

देपालपुर (जिला इंदौर)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का उपजेल देपालपुर में आयोजित अध्ययन भ्रमण केवल शैक्षणिक गतिविधि नहीं रहा, बल्कि संवेदनाओं और मानवीय मूल्यों से भरा एक भाव-विभोर अनुभव बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। इसके बाद जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक सुरेशचंद्र यादव ने सहायक जेल अधीक्षक आर. एस. कुशवाह का स्वागत किया। कुशवाह ने विद्यार्थियों को जेल की कार्यप्रणाली, बंदियों के जीवन और सुधारात्मक प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि "जेल केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि सुधार और नई राह दिखाने का केंद्र है।" समन्वयक सुरेशचंद्र यादव के प्रेरक उद्बोधन ने वातावरण को भावनाओं से भर दिया।

उन्होंने कहा— "अपराध से दूर रहना ही सच्चा जीवन है, क्योंकि माता-पिता और परिवार से बड़ा शुभचिंतक इस संसार में कोई नहीं होता।" उनकी भावनात्मक बातों से एक बंदी अपने आँसू रोक न सका और पूरा वातावरण मौन व आत्ममंथन से भर गया। विद्यार्थियों ने नशामुक्ति पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसे देखकर बंदियों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने बंदियों द्वारा की जा रही सब्जी बागवानी का निरीक्षण भी किया, जो आत्मनिर्भरता और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बनी। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अल्पाहार किया और अपने अनुभव साझा किए। यह अध्ययन भ्रमण विद्यार्थियों के लिए केवल जानकारी नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला अनुभव बनकर स्मृतियों में दर्ज हो गया। इस अवसर पर सहायक जेल अधीक्षक आर. एस. कुशवाह, प्रमुख प्रहरी रामकरण सोनगरे, मुख्य प्रहरी मोनिका जाटवा, प्रहरी आरती, सोनिया, एकता पटेल, निर्मला मोरी, विवेक शर्मा, सुनील मूवेल, गौरव चौरसिया, शिवानी श्रीवास्तव, संतोष देवलिया, एडवोकेट चिंतामन बाथम, ज्ञानेश्वर इंगलै सहित जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक ऋतुजा पहाड़े, ब्लॉक समन्वयक सुरेशचंद्र यादव, मेंटर सेठी डोडीया, विपिन व्यास, गोविंद चौहान, भूरालाल छाड़िया, नवांकुर प्रहलाद चौधरी, शांतिलाल पाटीदार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मेंटर हरिओम दुबे ने किया और आधार नवांकुर पप्पू परमार ने आभार व्यक्त किया।